I.C.S.E

कक्षा : IX

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्त्व है? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।
2. भारतीय संस्कृति में 'अतिथि को देवता के समान माना जाता है।' वर्तमान परिस्थितियों में यह मान्यता कहाँ तक सत्य के रूप में दिखाई दे रही है? अतिथि कब बोझ बन जाता है और किस प्रकार? विचारों द्वारा समझाइए।

3. पर्व हमारे हर्षोल्लास के प्रतीक माने जाते हैं इसी आधार पर होली-रंगों का त्योहार' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।
4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात'
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

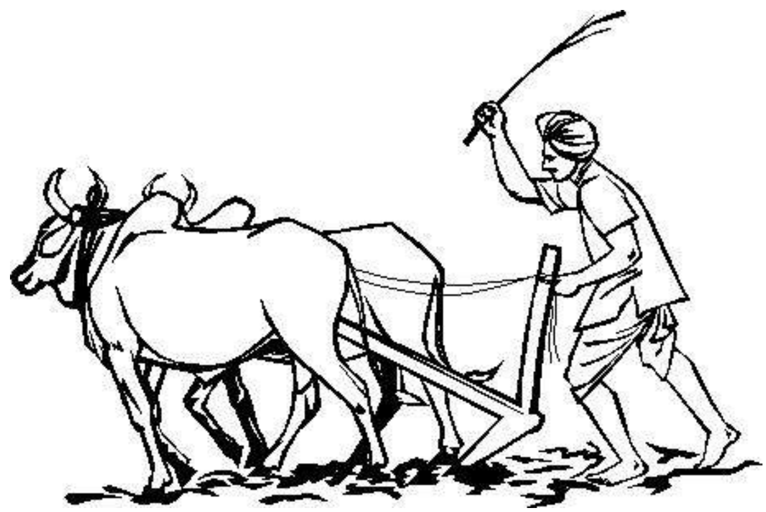

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:

(i) टेलीफोन ठीक करने के लिए टेलीफोन विभाग के कार्यकारी इंजीनियर को पत्र लिखें।

(ii) आपका मित्र दुर्घटनाग्रस्त हो गया है संवेदना प्रकट करते हुए मित्र को पत्र लिखें।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना पर्याप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे। इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रूप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सद्भावना, स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

1. गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका के प्रवासी भारतीयों के लिए क्या किया?
2. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने के क्या कारण थे?
3. संसार के इतिहास में क्या अन्यत्र देखने नहीं मिलता है?
4. विदेशी शासन के प्रतिरोध के समय गांधीजी द्वारा विशेष रूप से क्या ध्यान में रखा गया?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - पुष्प
   - तत्व

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]

सुगंध

माथा

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]

- समानता
- स्वतंत्रता
- स्वभाविक
- सहयोग

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए: [1]

- स्वतंत्र
- एक

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]

- लोहा मानना
- एड़ी चोटी का जोर लगाना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहा है। (बहुचवन में बदलिए) [1]

(b) जिसे लक्ष्य पर पहुँचना है उसे कोई रोक नहीं सकता। (लक्ष्य पर...) [1]

(c) वह खुदगर्ज है। (भूतकाल में बदलिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह इसलिए नहीं कि उसे अपने सास-ससुर,देवर या जेठ आदि से घृणा थी बल्कि उसका विचार था कि यदि बहुत कुछ सहने पर भी परिवार के साथ निर्वाह न हो सके तो आए दिन के कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा अच्छा है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाय।

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. बेनी माधव के कितने पुत्र थे उनका परिचय दें। [2]
2. श्रीकंठ कैसे विचारों के व्यक्ति थे? [2]
3. गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक क्यों थीं? [3]
4. आनंदी की सम्मिलित कुंटुब के बारे में राय अपने पति से अलग क्यों थी? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

सुनते हो? आज तुम्हारी फाइल पूर्ण हो गई मगर कवि का हाथ ठंडा था, आँखों की पुतलियाँ निर्जीव और चींटियों की एक लंबी पाँत उसके मुँह में जा रही थी...।

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. यहाँ पर किस फाइल की बात की जा रही है? [2]
2. दबे हुए व्यक्ति को इतने दिन पेड़ के नीचे से क्यों नहीं निकाला गया? [2]
3. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है उसका परिचय दें। [3]
4. प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट करें। [3]

Q 7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

'पर सब दिन न जात एक समान अकस्मात् दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।'

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. सेठजी के दुःख का कारण क्या था? [2]
2. सेठानी ने सेठ को क्या सलाह और क्यों दी? [2]
3. सेठ जी ने अपना यज्ञ बेचने का निर्णय क्यों लिया? [3]
4. प्रस्तुत पाठ के आधार पर सेठ जी की विशेषताएँ बताइए। [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूँगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर

कवियत्री - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है? [2]

2. कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]
3. मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवियित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? [3]
4. प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की किस भावना को दर्शाया गया है? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती हैं? [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह दिनकर

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]
3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।”

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. मेघ कहाँ आए हुए हैं? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा है? [2]
2. ‘बयार’ शब्द से आप क्या समझते हैं? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है? [2]
3. दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगी हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाने लगा है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]
4. कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“मैंने नौकर तो यहीं आकर देखें हैं।” फिर कहने लगी, “काम लेने का ढंग उसे आता है, जिसे काम की परख हो। सुबह-शाम झाड़ू देनेमात्र से कमरा साफ़ नहीं हो जाता। उसकी बनावट सजावट भी कोई चीज है।”

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ ‘अश्क’

1. उपर्युक्त अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. उपर्युक्त कथन पर इंदु की क्या प्रतिक्रिया होती है? [2]
3. उपर्युक्त अवतरण से बेला के स्वभाव का परिचय दें? [3]
4. “काम लेने का ढंग उसे आता है, जिसे काम की परख हो से क्या तात्पर्य है? [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

लेकिन आज नहीं तो कल रुपया तो देना ही पड़ेगा, कमला! कागज के टुकड़ों पर अपना स्नेह और प्यार बेचने वालों के बीच तुम इस तरह कब तक रह सकोगी?

एकांकी - बहू की विदा

लेखिका - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं? उपर्युक्त बात किस संदर्भ में की जा रही है? [2]
2. उपर्युक्त कथन में कागज के टुकड़े से क्या अभिप्राय है? [2]
3. क्या कागजी टुकड़ों से मानवीय संबंधों को कायम रखा जा सकता है? [3]
4. इस एकांकी में किस सामाजिक समस्या को दर्शाया गया है? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस शहीद के चरणों के पास बैठकर मैं अपने अपराध के लिए क्षमा माँगता हूँ, किंतु क्या बूँदी के राव तथा हाड़ा-वंश का प्रत्येक राजपूत आज की इस दुर्घटना को भूल सकेगा?

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. वक्ता द्वारा उपर्युक्त कथन कहने का अभिप्राय क्या है? [2]
2. उपर्युक्त कथन में शहीद किसे संबोधित किया गया है? [2]
3. वक्ता अपने किस अपराध की और क्यों क्षमा माँग रहा है? [3]
4. मातृभूमि की रक्षा सबका प्रथम कर्तव्य होना चाहिए अपने विचार प्रकट करें। [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की, चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर भी समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]
2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]
3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]
4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

उन्होंने लिफाफा खोलकर देखा तो वे प्रसन्न हो गईं। उनके भतीजे दीपक की शादी का कार्ड था। कितनी प्रसन्न थीं आज वह। उनको अपने भाई के पास गए हुए भी कई वर्ष हो गए थे। उन्होंने सोचा कि इस बार वे शादी में जाएँगी, तब कुछ दिनों के लिए वहाँ रुकेंगी।

1. दीपक कौन है? वक्ता का उससे क्या संबंध है? [2]
2. शादी में जाने के लिए वे इतना उत्साहित क्यों है? [2]
3. 'शादी शब्द सुनकर एक अजीब प्रसन्नता यहाँ क्यों छा जाती है? [3]
4. शादी के पीछे छिपे भाव को स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा कि शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्त्व है? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।

   मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में हर व्यक्ति के अनेक सम्बन्ध होते हैं। परस्पर सहयोग से रहना मानव का स्वभाव है। उसका सही स्वभाव मित्रता को जन्म देता है। मित्रता एक अनमोल धन है। आज के

युग में युग में सच्चा मित्र पाना स्वर्ग को पा लेने के समान है। सच्चा मित्र वह होता है, जो हमें अच्छे व बुरे का अहसास करवाए, साथ ही हमें कुमार्ग से सुमार्ग पर ले जाए। मित्रता में वह शक्ति है, जो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मित्रता में मनुष्य एक-दूसरे का साथ देता है। हर व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता होती है। वह अपने दिल की हर बात निर्भयता से केवल अपने मित्र से कह सकता है। सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानता है।

रहीम जी ने कहा है -

"कह रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत
बिपत्ति-कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।"

अंग्रेजी कहावत के अनुसार सच्चा मित्र वही है, जो समय पर काम आए। कृष्ण-सुदामा की मित्रता नि:स्वार्थ एवं पवित्र थी। यह सच्ची मित्रता का अनुपम उदाहरण है।

हमें चाहिए कि जब भी किसी को अपना मित्र बनाए तो सोच-विचार कर बनाए क्योंकि जहाँ एक सच्चा मित्र आपका साथ देकर आपको ऊँचाई तक पहुँचा सकता है, वहीं कपटी मित्र अपने स्वार्थ के लिए आपको पतन के रास्ते पर ले जाता है। संत कबीर कहते हैं कि

"कपटी मित्र न कीजिए, पेट पैठि बुधि लेत।
आगे राह दिखाय के, पीछे धक्का देति।।"

कपटी आदमी से मित्रता कभी न कीजिए क्योंकि वह पहले पेट में घुस कर सभी भेद जान लेता है और फिर आगे की राह दिखाकर पीछे से धक्का देता है।

'कबीर तहां न जाईय, जहां न चोखा चीत।
परपूटा औगुन घना, मुहड़े ऊपर मीत।'

ऐसे व्यक्ति या समूह के पास ही न जायें जिनमें निर्मल चित्त का अभाव हो। ऐसे व्यक्ति सामने मित्र बनते हैं पर पीठ पीछे अवगुणों का बखान कर बदनाम करते हैं।

इन सब बातों को मद्देनजर रखते हुए मैं अपने मित्र में सच्चाई, ईमानदारी, मेरे अवगुणों को बताने वाला आदि गुणों को देखना चाहूँगा। मैं ऐसे मित्र

का चुनाव कदापि नहीं करूँगा जो मेरे हाँ में हाँ मिलाए। उसके विपरीत जो मुझे मेरे अवगुणों से परिचित करवाए ऐसे मित्र का मित्र बनना पसंद करूँगा।
अत:मित्र का सही चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए,क्योंकि सच्चा मित्र हमारी सफलता की कुँजी होता है। वह हमें फर्श से अर्श तक ले जा सकता है।

2. भारतीय संस्कृति में 'अतिथि को देवता के समान माना जाता है।' वर्तमान परिस्थितियों में यह मान्यता कहाँ तक सत्य के रूप में दिखाई दे रही है? अतिथि कब बोझ बन जाता है और किस प्रकार? विचारों द्वारा समझाइए।

हमारे पूर्वजों का मानना था कि वे लोग बहुत भाग्यवान होते हैं जिनके घर मेहमान आते हैं। तभी तो यहाँ की संस्कृति में लिखा गया है कि 'अतिथि देवो भवः'। भारत संस्कृति और परंपराओं का देश है। यहाँ लोग परंपराओं का विशेष आदर करते हैं। भारत एक ऐसा देश है जिसमें एक नहीं अनेकों विशेषताएँ हैं। फिर चाहे वो अपनत्व की भावना हो, फिर चाहे वो रिश्तों का मान सम्मान हो, सब कुछ अपने आप में विशाल है। इन सब के अलावा एक और परंपरा है हमारे देश में जो युगों-युगों से चली आ रही है, और आज भी चल रही है और वो परम्परा है, "अतिथि देवो भवः" की! अतिथि को भगवान के समान पूज्यनीय समझा जाता है।
भगवान श्रीकृष्ण का सुदामा का आतिथ्य सत्कार करना अतिथि देवो भव का उत्तम उदाहरण हैं। श्रीकृष्ण जिस तरह अतिथि सुदामा का नाम सुनते ही नंगे पाँव उनके दर्शन के लिए अकुलाते हुए पहुँचते हैं, घायल पैरों को अपने हाथ से धोकर कृष्ण अपनी महानता दिखाते हैं। टूटे तंदुल को सुदामा से माँग कर जितनी आत्मीयता में भगवान फाका मारते हैं, अपने आप में अवर्णनीय है।
संसार के प्रत्येक व्यक्ति का हिन्दुस्तान में इतना भावभीना स्वागत किया जाता है। इस लिए आज देश सरकार हम सभी को सिर्फ एक बात बार-बार रट्टू तोते की तरह याद करवा रही है कि, "अतिथि देवो भवः" देश में आने

वाले सभी विदेशी मेहमानों का हमें ध्यान रखना चाहिए, उनसे हमारी रोजी रोटी चलती है, वह देश की अर्थव्यवस्था में बहुत सहयोग करते हैं।
वर्तमान परिस्थितियों में शहरीकरण, घर के स्त्री-पुरुष का कामकाजी होना तथा एकल परिवारों का चलन बढ़ने के कारण भी हमारी इस परंपरा का निर्वाह नहीं हो पा रहा है। लोगों का संयुक्त परिवारों से अलग होना भी हमारी इस अतिथि देवो भव की संस्कृति को शने-शने भूलने का कारण बनता जा रहा है क्योंकि पहले सब लोग गाँवों में एक साथ में रहते थे, इसलिए खर्च का बोझ भी साझे होता था, जगह की कोई कमी नहीं होती थी, आवागमन की इतनी सुविधा न होने के कारण मेहमान भी साल छः महीने में ही आ पाते थे इसलिए अतिथियों का आना उत्साह और आनंद का कारण होता था परन्तु आज के परिवेश में महँगाई इतनी बढ़ गई है कि अपना तथा अपने परिवार का पेट भरना ही मुश्किल होता जा रहा है, रहने की जगह की कमी हो गई है। वहाँ पर अतिथि के आने की कल्पना से मनुष्य का हृदय काँपने लगता है। वर्तमान परिवेश सभी चाहते हैं कि वे भी आनंद के साथ हँसी ख़ुशी मेहमानों के साथ अपना समय व्यतीत करें परन्तु बढ़ता खर्च और कम आमदनी और महँगाई से सामंजस्य न बिठा पाने के कारण हम अतिथि देवो भव परंपरा का पालन चाह कर भी नहीं कर पा रहे हैं।

3. पर्व हमारे हर्षोल्लास के प्रतीक माने जाते हैं इसी आधार पर होली-रंगों का त्योहार' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

   हमारा देश भारत विश्व का अकेला एवं ऐसा अनूठा देश है, जहाँ पूरे साल कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। रंगों का त्योहार होली हिंदुओं का प्रसिद्ध त्योहार है, जो फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
   यह त्योहार रंग एवं उमंग का अनुपम त्योहार है जब वसंत अपने पूरे यौवन पर होता है। सर्दी को विदा देने और ग्रीष्म का स्वागत करने के लिए इसे मनाया जाता है। संस्कृत साहित्य में इस त्योहार को 'मदनोत्सव' के नाम से भी पुकारा जाता है।

होली के संबंध में एक पौराणिक कथा प्रचलित है कि भगवान विष्णु के परम भक्त प्रहलाद को अग्नि में जलाने के प्रयास में उसकी बुआ 'होलिका' अग्नि में जलकर स्वाहा हो गई थी। इसी घटना को याद कर प्रतिवर्ष होलिका दहन किया जाता है। दूसरे दिन फाग खेला जाता है। इस दिन छोटे-बड़े, अमीर-गरीब आदि का भेदभाव मिट जाता है। सब एक दूसरे पर रंग फेंकते हैं, गुलाल लगाते हैं और गले मिलते हैं। चारों ओर आनंद, मस्ती और उल्लास का समाँ बँध जाता है। ढोल पर थिरकते, मजीरों की ताल पर झूमते, नाचते-गाते लोग आपसी भेदभाव भूलाकर अपने शत्रु को भी गले लगा लेते हैं। परंतु कुछ लोग अशोभनीय व्यवहार कर इस त्योहार की पवित्रता को नष्ट कर देते हैं।

हमारा कर्तव्य है कि हम होली का त्योहार उसके आदर्शों के अनुरूप मनाएँ तथा आपसी वैमनस्य, वैर-भाव, घृणा आदि को जलाकर एक-दूसरे पर गुलाल लगाकर आपस में प्रेम, एकता और सद्भाव बढ़ाने का प्रयास करें।

"होली के अवसर पर आओ एक दूजे पर गुलाल लगाएँ
अपने सब भेदभाव भूलाकर, प्रेम और सदभाव बढ़ाएँ"

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात'

'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' इस उक्ति का अर्थ यह है कि असाधारण व्यक्ति के लक्षण बचपन में ही दिखाई दे जाते हैं। बचपन में ही वे अपनी असाधारणता का परिचय किसी-न-किसी रूप में दे ही देते हैं। यही बात हमें शेखर की कहानी भी बताती है।

रेल पटरी के पास एक झोंपड़ी में बालक शेखर अपनी माँ के साथ रहता था। एक दिन बरसात की ऋतु में बहुत ज़ोरों की बरसा होने लगी। आँधी और तूफान आने लगे तब शेखर अपनी झोंपड़ी पर प्लास्टिक ढकने बाहर निकला तभी अचानक उसकी नज़र रेल की पटरी पर पड़ी और उसने देखा कि पटरी उखड़ गई है। उसे दूर से आती गाड़ी की आवाज़ सुनाई दी। वह सोचने लगा, "क्या करे, तब अचानक उसे कुछ सूझा और उसने पहनी हुई

लाल कमीज को निकाल कर एक डंडी में बाँध दिया और पटरी पर खड़े रहकर हिलाने लगा।" ड्राइवर ने लाल झंडा देख गाड़ी रोक दी। यात्रियों को पहले उस पर गुस्सा आया और रेल रोकने के लिए भला-बुरा कहने लगे परंतु जब उन्हें सच का पता चला तब सबने उसकी सूझ-बूझ की तारीफ़ की। शेखर के कारण यात्रियों की जान बचाने के लिए उसे राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक का पुरस्कार दिया गया। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में उसकी बहादुरी की चर्चा करते हुए कहा कि 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' अर्थात् योग्य व्यक्ति के लक्षण तो बचपन में ही दिखाई देने लगते हैं।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

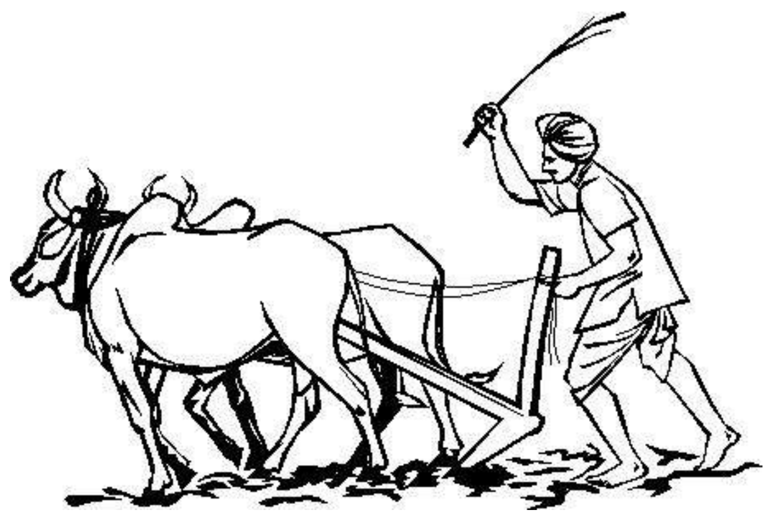

प्रस्तुत चित्र में एक किसान अपने बैलों के साथ खेती करता नजर आ रहा है। किसान कड़ी धूप में अपने दोनों बैलों को लेकर नंगे पैर खेत जोत रहा है। वह पूरी लगन से काम कर रहा है। इस किसान को देखकर मन में विचार उठता हैं कि यदि किसान नहीं होता तो हमारा क्या होता?
किसान हर देश का आधार स्तम्भ होते हैं। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है - 'किसान'। उन पर ही देश की आर्थिक व्यवस्था टिकी होती है। विश्व का समस्त आनन्द, ऐश्वर्य और वैभव उनके कारण ही हम भोग

पाते हैं। एक देश के प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किसानों पर निर्भर करता है।

भारतीय किसान सेवा, त्याग व परिश्रम की सजीव मूर्ति हैं। उसकी सरलता, शारीरिक दुर्बलता, सादगी एवं गरीबी उसके सात्विक जीवन को प्रकट करती है। वह स्वयं न खाकर दूसरों को खिलाता है। वह स्वयं न पहनकर संसार की ज़रूरतों को पूरा करता है। किसान खुद अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, जिससे उन्हें हर तरह के शोषण का सामना करना पड़ता है। साहूकारों के हाथों का खिलौना बनना किसानों की मजबूरी है। किसान यदि ट्रैक्टर, जनरेटर, खरीदने, पशु खरीदने या किसी अन्य वजहों से बैंकों से कर्ज लेना चाहे तो उसके लिए इतनी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है कि किसानों को साहूकारों से अधिक सूद अदा करने की कीमत पर कर्ज लेना ज्यादा मुनासिब लगता है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि गाँवों में बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। गाँवों में बिजली पहुँचे, सड़क बने, सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ें तो किसानों को खेती करना आसान रहेगा। किसान समाज का सच्चा हितैषी है। यदि वह सुखी है, तो पूरा देश सुखी बन सकता है क्योंकि उसकी खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्धि, उन्नति, खुशहाली छुपी है। मुझे अपने भारतीय किसान पर गर्व है। वो हमारे देश का गौरव है, हमारा गौरव है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:

(i) टेलीफोन ठीक करने के लिए टेलीफोन विभाग के कार्यकारी इंजीनियर को पत्र लिखें।

सेवा में,

कार्यकारी इंजीनियर

टेलीफोन ऐक्सचेंज
नागपुर
विषय : टेलीफोन नं. 245 245 88 को ठीक कराने हेतु पत्र।
महोदय
मैं आपका ध्यान उपरोक्त टेलीफोन नंबर की ओर केन्द्रित करना चाहता हूँ जो पिछले 25 दिनों से खराब पड़ा है। इसके विषय में मैं कई बार शिकायतें लिखवा चुका हूँ तथा तीन बार पत्र भी लिख चुका हूँ। एक उच्च अधिकारी से भी मेरी बात हुई थी, जिन्होंने दो-तीन दिनों से टेलीफोन ठीक कराने का आश्वासन दिया था परन्तु इस बात को एक सप्ताह हो चुका है, परंतु अभी तक भी मेरा टेलीफोन खराब ही है।
अत: मेरा आपसे अनुरोध है कि आप व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर उसे ठीक कराने की व्यवस्था करें। मैं टेलीफोन खराब होने के कारण बहुत परेशान हूँ। आप से अनुरोध है कि मेरे टेलीफोन को जल्द ठीक कराने की कृपा करें।
सधन्यवाद।
भवदीय
कमल शर्मा
नवानिकेतन नगर
नागपुर
दिनाँक : 4 मई 2017

(ii) आपका मित्र दुर्घटनाग्रस्त हो गया है संवेदना प्रकट करते हुए मित्र को पत्र लिखें।

प्रेम नगर
भोपाल
दिनाँक - 26 -12 -200x
प्रिय मित्र राहुल
सस्नेह नमस्कार।

दुर्घटना में तुम्हारी टाँग टूटने का समाचार सुनकर मुझे बड़ा दुःख हुआ। मैं तुम्हारे दुःख को कम तो नहीं कर सकता परन्तु मेरी सहानभूति तुम्हारे साथ है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि तुम शीघ्र ही स्वस्थ हो जाओ।

तुम्हारा मित्र

अविनाश

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना पर्याप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे। इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रूप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सद्भावना, स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

1. गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका के प्रवासी भारतीयों के लिए क्या किया?

   उत्तर : गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक तथा भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न किए।

2. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने के क्या कारण थे?

उत्तर : अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने के कारण रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव थे।

3. संसार के इतिहास में क्या अन्यत्र देखने नहीं मिलता है?

उत्तर : विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में गांधीजी द्‌वारा किया गया सामूहिक प्रतिरोध संगठन ऐसी मिसाल है जो संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती।

4. विदेशी शासन के प्रतिरोध के समय गांधीजी द्‌वारा विशेष रूप से क्या ध्यान में रखा गया?

उत्तर : विदेशी शासन के प्रतिरोध के समय गांधीजी द्‌वारा सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो।

5. उपर्युक्त गद्‌यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्‌यांश के लिए उचित शीर्षक 'गांधीजी की नैतिकता' है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - पुष्प - पुष्पित
   - तत्व - तात्विक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]

   सुगंध - सुवास, गंध, खुशबू, सुगंधि, सौरभ

   माथा - मस्तक, शीश

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]

- समानता - असमानता
- स्वतंत्रता - परतंत्रता
- स्वभाविक - अस्वाभाविक
- सहयोग - असहयोग

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए: [1]

- स्वतंत्र - स्वतंत्रता
- एक - एकता

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]

- लोहा मानना - संसार के देश हमारी एकता में अनेकता की शक्ति का लोहा मानते हैं।
- एड़ी चोटी का जोर लगाना - रामप्रसाद जैसे ईमानदार व्यक्ति को बचाने के लिए सभी कर्मचारियों में एड़ी चोटी का जोर लगा दिया।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहा है। (बहुचवन में बदलिए) [1]
उत्तर : विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहे हैं।

(b) जिसे लक्ष्य पर पहुँचना है उसे कोई रोक नहीं सकता। (लक्ष्य पर...) [1]
उत्तर : लक्ष्य पर पहुँचने वाले को कोई रोक नहीं सकता।

(c) वह खुदगर्ज है। (भूतकाल में बदलिए) [1]
उत्तर : वह खुदगर्ज था।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह इसलिए नहीं कि उसे अपने सास-ससुर,देवर या जेठ आदि से घृणा थी बल्कि उसका विचार था कि यदि बहुत कुछ सहने पर भी परिवार के साथ निर्वाह न हो सके तो आए दिन के कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा अच्छा है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाय।

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. बेनी माधव के कितने पुत्र थे उनका परिचय दें। [2]

उत्तर : बेनी माधव के दो बेटे थे बड़े का नाम श्रीकंठ था। उसने बहुत दिनों के परिश्रम और उद्योग के बाद बी.ए. की डिग्री प्राप्त की थी और इस समय वह एक दफ़्तर में नौकर था। छोटा लड़का लाल बिहारी सिंह दोहरे बदन का सजीला जवान था।

2. श्रीकंठ कैसे विचारों के व्यक्ति थे? [2]

उत्तर : श्रीकंठ बी.ए. इस अंग्रेजी डिग्री के अधिपति होने पर भी पाश्चात्य सामजिक प्रथाओं के विशेष प्रेमी न थे,बल्कि वे बहुधा बड़े जोर से उसकी निंदा और तिरस्कार किया करते थे। वे प्राचीन सभ्यता का गुणगान उनकी प्रकृति का प्रधान अंग था। सम्मिलित कुंटुब के तो वे एक मात्र उपासक थे। आजकल स्त्रियों में मिलजुलकर रहने में जो अरुचि थी श्रीकंठ उसे जाति और समाज के लिए हानिकारक समझते थे।

3. गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक क्यों थीं? [3]

उत्तर : श्रीकंठ स्त्रियों में मिलजुलकर रहने में जो अरुचि थी उसे जाति और समाज के लिए हानिकारक समझते थे। वे प्राचीन सभ्यता का गुणगान और सम्मिलित कुंटुब के उपासक थे। इसलिए गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक थीं। कोई-कोई तो उन्हें अपना शत्रु समझने में भी संकोच नहीं करती थीं।

4. आनंदी की सम्मिलित कुंटुब के बारे में राय अपने पति से अलग क्यों थी? [3]

उत्तर : आनंदी स्वभाव से बड़ी अच्छी स्त्री थी। वह घर के सभी लोगों का सम्मान और आदर करती थी परंतु उसकी राय संयुक्त परिवार के बारे में अपने पति से ज़रा अलग थी। उसके अनुसार यदि बहुत कुछ समझौता करने पर भी परिवार के साथ निर्वाह करना मुश्किल हो तो अलग हो जाना ही बेहतर है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

सुनते हो? आज तुम्हारी फाइल पूर्ण हो गई मगर कवि का हाथ ठंडा था, आँखों की पुतलियाँ निर्जीव और चींटियों की एक लंबी पाँत उसके मुँह में जा रही थी...।

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. यहाँ पर किस फाइल की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगे जामुन के पेड़ के नीचे एक व्यक्ति कई दिन से दबा पड़ा रहता है और उसे वहाँ से निकालने के लिए विभिन्न विभागों से संपर्क किया जाता है और अंत में बात प्रधानमंत्री तक पहुँचती है और उस पेड़ को काटने का निर्णय किया जाता है यहाँ पर इसी फाइल के पूर्ण हो जाने से संबंधित बात की जा रही है।

2. दबे हुए व्यक्ति को इतने दिन पेड़ के नीचे से क्यों नहीं निकाला गया? [2]

उत्तर : यहाँ पर सरकारी विभाग की अकर्मण्यता की ओर ध्यान खींचा गया है कि किस तरह हर एक विभाग अपनी जिम्म्मेदारी से मुकर रहा था। हर एक विभाग अपनी जिम्मेदारी दूसरे विभाग के मत्थे मढ़ने पर लगा हुआ था। इसी कारणवश दबे हुए व्यक्ति को इतने दिन पेड़ के नीचे से नहीं निकाला गया।

3. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है उसका परिचय दें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का वक्ता सेक्रेटेरियेट में काम करने वाला एक माली है इसी ने सबसे पहले कवि के पेड़ के नीचे दबे होने की बात बताई थी। पूरी कहानी में चपरासी ही अकेला ऐसा व्यक्ति था जिसे कवि के प्रति सहानुभूति और चिंता थी।

4. प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कथन का आशय सरकारी विभागों की अकर्मण्यता से है। यहाँ पर लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि लोग कितने असंवेदनशील हो गए है किसी को भी पेड़ के नीचे दबे व्यक्ति के बारे में चिंता नहीं थी। सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे थे और पेड़ को न हटवाने का दोष एक दूसरे पर मढ़ रहे थे और सरकारी विभागों की इस देरी की वजह से उस आदमी की मौत हो जाती है।

Q 7**.** Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए**:**

'पर सब दिन न जात एक समान अकस्मात् दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।'

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. सेठजी के दुःख का कारण क्या था? [2]

उत्तर : सेठ जी के उदार होने के कारण कोई भी उनके द्वार से खाली नहीं जाता था परंतु अकस्मात् सेठ जी के दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। ऐसे समय में संगी-साथियों ने भी मुँह फेर दिया और यही सेठ जी के दुःख का कारण था।

2. सेठानी ने सेठ को क्या सलाह और क्यों दी? [2]

उत्तर : उन दिनों एक प्रथा प्रचलित थी। यज्ञों के फल का क्रय-विक्रय हुआ करता था। छोटा-बड़ा जैसा यज्ञ होता, उनके अनुसार मूल्य मिल जाता। जब बहुत तंगी हुई तो एक दिन सेठानी ने सेठ को सलाह दी कि क्यों न वे अपना एक यज्ञ बेच डाले। इस प्रकार बहुत अधिक गरीबी आ जाने के कारण सेठानी ने सेठ को अपना यज्ञ बेचने की सलाह दी।

3. सेठ जी ने अपना यज्ञ बेचने का निर्णय क्यों लिया? [3]

उत्तर : सेठ जी को जब पैसों को बहुत तंगी होने लगी और सेठानी ने उन्हें यज्ञ बेचने का सुझाव दिया। सेठानी की यज्ञ बेचने की बात पर पहले सेठ बड़े दुखी हुए परंतु बाद में तंगी का विचार त्यागकर सेठ अपना एक यज्ञ बेचने के लिए तैयार हो गए।

4. प्रस्तुत पाठ के आधार पर सेठ जी की विशेषताएँ बताइए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पाठ लेखक यशपाल द्वारा रचित है। प्रस्तुत पाठ में सेठ जी कुछ ख़ास विशेषताओं का उल्लेख किया है। सेठजी बड़े विनम्र और उदार थे। सेठ जी इतने बड़े धर्मपरायण थे कि कोई साधू-संत उनके द्वार से निराश न लौटता, भरपेट भोजन पाता। उनके भंडार का द्वार हमेशा सबके लिए खुला रहता। उन्होंने बहुत से यज्ञ किए और दान में न जाने कितना धन दिन दुखियों में बाँट दिया था। यहाँ तक की गरीब हो जाने के बावजूद भी उन्होंने अपनी उदारता

को नहीं छोड़ा और पुन:धन प्राप्ति के बाद भी ईश्वर से सद्बुद्धि ही माँगी।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूँगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवियत्री - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है? [2]

   उत्तर : 'मातृ मंदिर' से यहाँ तात्पर्य देश से है। वहाँ से कवयित्री को देश पर प्राण न्योछावर होने की पुकार सुनाई दे रही है।

2. कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]

   उत्तर : कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण तक त्यागने के लिए तैयार है। कवयित्री अपनी मातृभूमि को अपनी माँ समान मानती है और वह अपने देश पर किसी भी प्रकार का अत्याचार नहीं सहन कर सकती।

3. मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवियित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? [3]

उत्तर : मंदिर तक पहुँचने के लिए कवयित्री को अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है मंदिर की ऊँची सीढ़ियाँ हैं और उनके पैर दुर्बल हैं। साथ ही मार्ग के पहरेदार भी बाधक बने हुए हैं।

4. प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की किस भावना को दर्शाया गया है? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती हैं? [3]

उत्तर : प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की देश प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। इस कविता द्वारा कवयित्री यही संदेश देना चाहती है कि देश की आन पर यदि कभी संकट आये तो हमें अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह दिनकर

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते।

2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]

उत्तर : मानव के विकास के पथ पर अनेक प्रकार की मुसीबतें उसकी राह रोके खड़ी रहती है तथा विशाल पर्वत भी राह रोके खड़े रहता है। मनुष्य जब इन सब विपत्तियों को पार कर आगे बढ़ेगा तभी उसका विकास संभव होगा।

3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]

उत्तर : ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते। सभी लोग सुखी होंगे। इस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है।

4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

उत्तर : शमित - शांत
विकीर्ण - बिखरे हुए
कोलाहल - शोर
विघ्न - रूकावट
चैन - शांति
पल - क्षण

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली

पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।”

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. मेघ कहाँ आए हुए हैं? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा है? [2]

उत्तर : मेघ गाँव में आये हुए हैं। मेघों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे कोई शहरी दामाद सज संवरकर गाँव में आये हैं और दामाद के आने से पूरे गाँव में उत्साह का माहौल छा गया है।

2. ‘बयार’ शब्द से आप क्या समझते हैं? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है? [2]

उत्तर : ‘बयार’ शब्द का अर्थ है हवा का बहना। कवि यहाँ पर बयार के बारे में यह बताना चाहता है कि बादलों के आते ही हवा या बयार के साथ धूल भी उड़ने लगती है। यह उड़ती धूल मेघ के आने की प्रथम सूचना देती है। हवा के झकोंरों से घर के दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलने-बन्द होने लगते हैं। लगता है जैसे आगंतुक मेहमान को देखने लिए सभी उत्सुक हैं।

3. दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगी हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाने लगा है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : गाँव में आये नए मेहमान को देखने के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने लगी।

यहाँ पर मेघ रूपी मेहमान का गाँव के दामाद के रूप में स्वागत किया जाने लगा। गाँव के बड़े बुजुर्ग से लेकर छोटे बड़े सभी मेहमान के स्वागत में जुट जाते हैं। सभी अपने-अपने ढंग से उसकी ख़ातिरदारी या आवभगत करते हैं। मेहमान की अगवानी में कोई बुज़ुर्ग व्यक्ति आगे आता है। बड़ी-बूढ़ी महिलाएँ भी पर्देदारी का निर्वाह करती हैं। युवकों में मेहमान के प्रति जिज्ञासा

होती है। सभी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं। स्वागत के क्रम में सबसे पहले परात में पानी लाकर मेहमान के 'पाँव-पखारे' जाते हैं अर्थात् धोए जाते हैं।

4. कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कविता में मेघ के आने से वातावरण में छाए उल्लास का वर्णन किया गया है कि किस प्रकार बहुत प्रतीक्षा के बाद मेघ आते हैं तो वातावरण में किस प्रकार परिवर्तन होने लगता है बादलों के आते ही हवा या बयार के साथ धूल भी उड़ने लगती है। यह उड़ती धूल मेघ के आने की प्रथम सूचना देती है। हवा के झकोंरों से घर के दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलने-बन्द होने लगते हैं। लगता है जैसे आगंतुक मेहमान को देखने लिए सभी उत्सुक हैं। पेड़-पौधे सभी झूमने लगते हैं और बरसात के होते ही सभी की प्यास बुझ जाती है और सभी प्रसन्न हो जाते हैं।

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"मैंने नौकर तो यहीं आकर देखें हैं।" फिर कहने लगी, "काम लेने का ढंग उसे आता है, जिसे काम की परख हो। सुबह-शाम झाड़ू देनेमात्र से कमरा साफ़ नहीं हो जाता। उसकी बनावट सजावट भी कोई चीज है।"

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : यह वाक्य घर की बहू बेला द्वारा इंदु को कहे गए हैं। घर की नौकरानी रजवा घर की साफ-सफाई ठीक से नहीं करती। उसके बाजजूद इंदु नौकरानी की तरफ से बोलती है, तब बेला उसे कहती है कि उसके मायके में इस प्रकार के नौकर दो घड़ी भी नहीं टिक

सकते और काम की परख होने से ही नौकरों से काम लिया जा सकता है।

2. उपर्युक्त कथन पर इंदु की क्या प्रतिक्रिया होती है? [2]

उत्तर : बेला की बातें सुनकर इंदु क्रोधित हो जाती है। उसे लगता है जब से बेला इस घर में आई है तब से केवल अपने मायके की ही प्रशंसा करती रहती है। ससुराल की एक भी चीज उसे पसंद नहीं आती है।

3. उपर्युक्त अवतरण से बेला के स्वभाव का परिचय दें? [3]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण से हमें बेला के बेबाक स्वभाव का पता चलता है। बेला को जो ठीक नहीं लगता उसे वह तुरंत जता देती है। वह न केवल सफाई पसंद है बल्कि घर की साज सज्जा के बारे में भी जानकारी रखती है।

4. "काम लेने का ढंग उसे आता है, जिसे काम की परख हो से क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : "काम लेने का ढंग उसे आता है, जिसे काम की परख हो से तात्पर्य कार्य की सही जानकारी से है। यहाँ पर बेला इंदु को समझाने का प्रयास करती है कि केवल घर की झाड बुहार देने से कमरा नहीं साफ होता बल्कि घर की सजावट-बनावट भी मायने रखती है। नौकरों से काम भी वही करवा सकता है जिसे काम के बारे में सही जानकारी हो।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

लेकिन आज नहीं तो कल रुपया तो देना ही पड़ेगा,कमला! कागज के टुकड़ों पर अपना स्नेह और प्यार बेचने वालों के बीच तुम इस तरह कब तक रह सकोगी?

एकांकी - बहू की विदा

लेखिका - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं? उपर्युक्त बात किस संदर्भ में की जा रही है? [2]

   उत्तर : इस कथन का वक्ता प्रमोद और श्रोता उसकी बहन कमला है। कमला के ससुर जीवनलाल दहेज की कमी के कारण कमला की विदाई नहीं करना चाहते इसलिए प्रमोद विवश होकर अपना घर पाँच हजार में बेचकर दहेज के इंतजाम के बारे में कहता है तब कमला अपने भाई को ऐसा करने से मना करती है। उसी समय उपर्युक्त कथन प्रमोद अपनी बहन कमला से कहता है।

2. उपर्युक्त कथन में कागज के टुकड़े से क्या अभिप्राय है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन में कागज के टुकड़े से अभिप्राय रुपयों से है। इन्हीं टुकड़ों के लिए आज प्रमोद अपनी बहन की विदा नहीं कर पाता।

3. क्या कागजी टुकड़ों से मानवीय संबंधों को कायम रखा जा सकता है? [3]

   उत्तर : भले ही ये कागजी टुकड़े आज समय की जरुरत क्यों न बन गए हो। भले इनसे आप दुनिया के ऐशों-आराम, वस्तुएँ क्यों न प्राप्त कर सकते हो, परंतु जहाँ तक मानवीय संबंधों की बात आती है वहाँ ये कागजी टुकड़े नाकाम हो जाते हैं। रिश्तों में प्रगाढ़ता प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान से आती है।

4. इस एकांकी में किस सामाजिक समस्या को दर्शाया गया है? [3]

उत्तर : इस एकांकी के माध्यम से लेखक ने हमारे समाज में व्याप्त दहेज की समस्या को दर्शाया है। दहेज हमारे समाज में एक कोढ़ की तरह रच-बस गया है। एकांकी में प्रमोद केवल दहेज के पैसे चुकाने के लिए अपना मकान तक बेचने के लिए मजबूर हो जाता है क्योंकि उसकी बहन तब तक उस घर से विदा नहीं होगी। ये समस्या तभी समाप्त होगी जब बेटी आत्मनिर्भर हो और वह दहेज के खिलाफ आवाज उठाएँ और बेटे दहेज लेने से मना करें।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस शहीद के चरणों के पास बैठकर मैं अपने अपराध के लिए क्षमा माँगता हूँ, किंतु क्या बूँदी के राव तथा हाड़ा-वंश का प्रत्येक राजपूत आज की इस दुर्घटना को भूल सकेगा?

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. वक्ता द्वारा उपर्युक्त कथन कहने का अभिप्राय क्या है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से अभिप्राय मेवाड़ के राणा के पश्चाताप से है। प्रस्तुत कथन मेवाड़ के महाराणा लाखा चारणी से कह रहे हैं। उन्हें वीर सिंह की मृत्यु के कारण अब पश्चाताप हो रहा है कि उनके झूठे दंभ के कारण उन्होंने न केवल मातृभूमि से प्यार करने वाले एक सच्चे वीर के साथ और न जाने कितने कितने निर्दोष वीरों की जान ले ली।

2. उपर्युक्त कथन में शहीद किसे संबोधित किया गया है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन में हाड़ा जाति के वीर सिंह को शहीद संबोधित किया गया है।

3. वक्ता अपने किस अपराध की और क्यों क्षमा माँग रहा है? [3]

उत्तर : वक्ता अर्थात् मेवाड़ के महाराणा लाखा अपने झूठे दंभ के कारण वीर सिंह के मृत्यु के अपराध की क्षमा माँग रहा है। महाराणा ने अपने दंभ की तुष्टि के लिए बूँदी का नकली किला बनवाकर नकली युद्ध करने का निर्णय तो ले लिया। परंतु हाड़ा जाति के राजपूत सैनिक नकली युद्ध में भी अपनी मातृभूमि का अपमान नहीं देख सकते थे इसलिए नकली युद्ध असली युद्ध में बदल गया और फलस्वरूप वीर सिंह के साथ कई अन्य हाड़ा सैनिक मारे गए। और यही वह अपराध था जिसकी महाराणा इस समय क्षमा माँग रहे हैं।

4. मातृभूमि की रक्षा सबका प्रथम कर्तव्य होना चाहिए अपने विचार प्रकट करें। [3]

उत्तर : व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर मातृभूमि की रक्षा सबका प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। हमें अपने दंभ और अंहकार को त्याग कर राष्ट्रीय हित में सोचना चाहिए। एक देश ही एक नागरिक की वास्तविक पहचान होती है।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की, चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर भी समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]

उत्तर : मीनू जहाँ रहती थी वहीं पर उनके पड़ोस में एक महिला रहती थी जिसे मीनू मौसी के नाम से संबोधित करती थी। यह पड़ोस वाली मौसी उसे एक दिन बस में मिल जाती है। वह एक अन्य महिला के साथ मीनू के अभी तक अविवाहित रहने की बात करती है और यह बातें सुनकर वह आहत हो जाती है।

2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]

उत्तर : हमारे समाज में पहले से ही लड़की और लड़के में अंतर किया जाता रहा है। लड़का कितनी भी गलती करें उसे कभी कोई कुछ नहीं कहता परंतु यदि लड़की छोटी भी गलती करे तो पूरा समाज उस पर दोषारोपण करने लगता है।

3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]

उत्तर : बचपन से ही लड़की को लड़कों से कम समझा और आँका जाता है इसलिए जब कभी कोई लड़की लड़कों के साथ बराबरी या कुछ अलग करने की कोशिश करती है तो पूरा समाज उसके विरुद्ध खड़ा हो जाता है इसलिए लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ आती है।

4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

उत्तर : इन पंक्तियों का भाव लड़का और लड़की में भेद से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि इस भेद के कारण लड़की अपने आप को कम समझने लगती है। उसके छोटे से भी अपराध को बहुत बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जाता है उसी जगह पर लड़का कितना भी अपराध क्यों न करे उसे कोई कुछ नहीं कहता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

उन्होंने लिफाफा खोलकर देखा तो वे प्रसन्न हो गईं। उनके भतीजे दीपक की शादी का कार्ड था। कितनी प्रसन्न थीं आज वह। उनको अपने भाई के पास गए हुए भी कई वर्ष हो गए थे। उन्होंने सोचा कि इस बार वे शादी में जाएँगी, तब कुछ दिनों के लिए वहाँ रुकेंगी।

1. दीपक कौन है? वक्ता का उससे क्या संबंध है? [2]

   उत्तर : दीपक अमित की माँ के भाई का बेटा है। इस रिश्ते से अमित की माँ दीपक की बुआ है।

2. शादी में जाने के लिए वे इतना उत्साहित क्यों है? [2]

   उत्तर : अमित की माँ शादी में जाने को उत्साहित इसलिए है क्योंकि दीपक उनके भाई का लड़का है और साथ ही कई वर्षों के बाद वे अपने भाई से इस विवाह के कारण मिल पाएँगी।

3. 'शादी शब्द सुनकर एक अजीब प्रसन्नता यहाँ क्यों छा जाती है? [3]

   उत्तर : अमित का रिश्ता सरिता से टूट जाने के बाद से इस घर में अजीब-सी शांति छा गई थी घर के सभी सदस्य अपने-अपने काम से निकल जाते थे और अमित की माँ घर में अकेली रह जाती थी इसलिए शादी शब्द सुनकर एक अजीब प्रसन्नता यहाँ छा जाती है।

4. शादी के पीछे छिपे भाव को स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : यहाँ पर शादी के पीछे छिपे अमित की माँ के मन में हुई खुशी के भाव से है। अमित की माँ पिछले कई वर्षों से अपने भाई से नहीं मिल पाई थी अब इस शादी के अवसर पर वह शादियों की खुशियों के साथ अपने भाई से भी मिल पाएँगी।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा कि शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

   उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इंतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

   उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

   उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूझी कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटी बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं, तो आशा के साथ अमित की शादी करवाँ दें। अब यह तो सबको पता है कि बड़ी बेटी के होते कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता को रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।